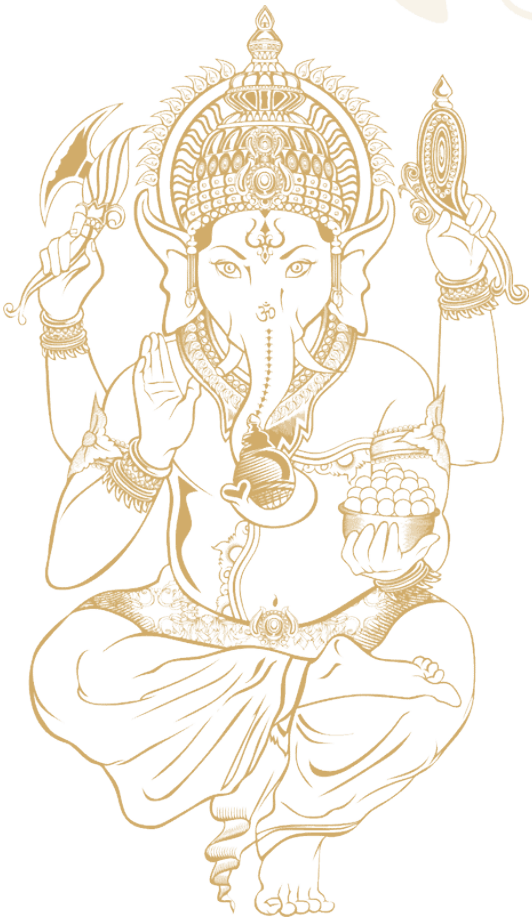

Ekta

12 Sep 2001

09:30 AM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 120461101

तिथि 12/09/2001 **समय** 09:30:00 **वार** बुधवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:52:34
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	08:33:48 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:03:40 घं	योनि	श्वान
सूर्योदय	06:04:34 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	18:29:47 घं	वर्ण	शूद्र
चैत्रादि संवत	2058	वश्य	मानव
शक संवत	1923	वर्ग	मार्जार
मास	आश्विन	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	वायु
तिथि	9	जन्म नामाक्षर	घ-घटी
नक्षत्र	आर्द्रा	पाया(रा.-न.)	रजत-रजत
योग	व्यतिपात	होरा	गुरु
करण	गर	चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी
राहु 9वर्ष 6मा 28दि
गुरु
11/04/2011
11/04/2027

गुरु	29/05/2013
शनि	10/12/2015
बुध	17/03/2018
केतु	21/02/2019
शुक्र	22/10/2021
सूर्य	10/08/2022
चन्द्र	10/12/2023
मंगल	15/11/2024
राहु	11/04/2027

योगिनी
मंगला 0वर्ष 6मा 11दि
सिद्धा
25/03/2022
25/03/2029

सिद्धा	04/08/2023
संकटा	23/02/2025
मंगला	05/05/2025
पिंगला	24/09/2025
धान्या	25/04/2026
भ्रामरी	03/02/2027
भद्रिका	24/01/2028
उल्का	25/03/2029

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			09:43:21	तुला	स्वाति	1	राहु	गुरु	---	0:00			
सूर्य			25:35:14	सिंह	पू०फाल्गुनी	4	शुक्र	बुध	स्वराशि	1.38	आत्मा	पितृ	साधक
चंद्र			12:54:21	मिथु	आर्द्रा	2	राहु	बुध	मित्र राशि	0.88	ज्ञाति	मातृ	जन्म
मंगल			07:54:04	धनु	मूल	3	केतु	गुरु	मित्र राशि	0.85	कलत्र	भ्रातृ	प्रत्यारि
बुध			21:11:04	कन्या	हस्त	4	चंद्र	शुक्र	स्वराशि	1.28	भ्रातृ	ज्ञाति	मित्र
गुरु			17:48:20	मिथु	आर्द्रा	4	राहु	सूर्य	शत्रु राशि	1.31	पुत्र	धन	जन्म
शुक्र			25:17:33	कर्क	आश्लेषा	3	बुध	राहु	शत्रु राशि	1.23	अमात्य	कलत्र	क्षेम
शनि			20:53:34	वृष	रोहिणी	4	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि	1.11	मातृ	आयु	मित्र
राहु	व		09:13:31	मिथु	आर्द्रा	1	राहु	गुरु	उच्च राशि		---	ज्ञान	जन्म
केतु	व		09:13:31	धनु	मूल	3	केतु	गुरु	उच्च राशि		---	मोक्ष	प्रत्यारि

लग्न-चलित

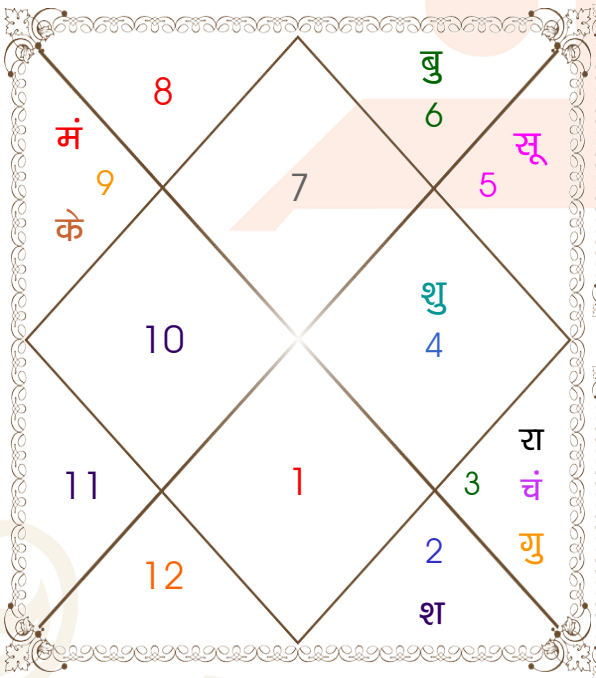

चन्द्र कुंडली

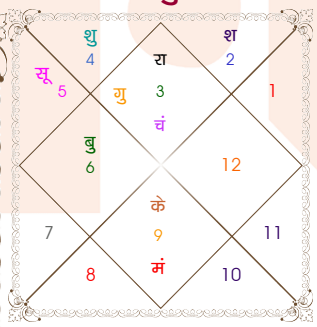

नवमांश कुंडली

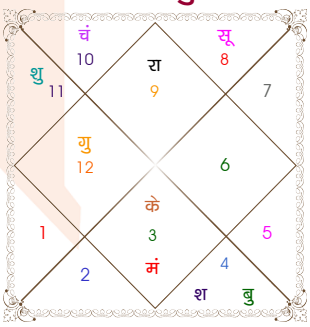

सर्वाष्टकवर्ग

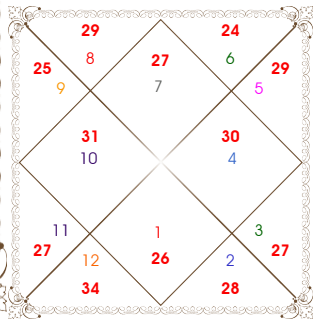

दशमांश कुंडली

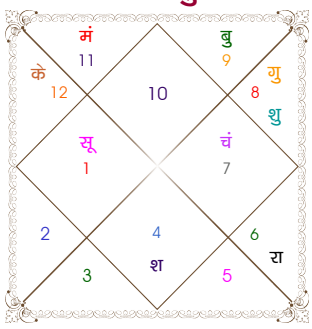

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा गर्मी आदि के द्वारा उत्पन्न रोगों से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी सामान्यतया अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे शत्रुपक्ष इस समय आपका प्रबल रहेगा तथा उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा लोकोपवाद से मान हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आलस्य का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा। पिता से भी इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी एवं आपसी संबधों में तनाव तथा कलह का वातावरण विद्यमान रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा लाभ मार्ग अवरूद्ध रहेंगे फलतः आपको समय समय पर आर्थिक कठिनाई रहेगी।

व्यापार तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा इस समय व्यापार में समस्याएं रहेंगी तथा किसी प्रकार की हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ सहयोगी आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा कार्य क्षेत्र में भी इनसे कोई परेशानी हो सकती है। अतः ऐसे समय में इनकी आज्ञा का विनम्रता पूर्वक पालन करें तथा इनकी उपेक्षा न करें। इसके साथ ही आपकी कोई यात्रा भी होगी परन्तु इसमें विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः इस वर्ष को अत्यंत शान्ति तथा बुद्धिमता पूर्वक व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक रूप से आप अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगी साथ ही मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगी एवं मन में व्याकुलता की अनुभूति होगी। मित्र एवं संबंधियों से इस समय आपके संबंध अच्छे नही रहेंगे तथा उनका सहयोग भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। संतति पक्ष से इस समय आपकी अप्रसन्नता बनी रहेगी तथा अपने क्षेत्र में वे विशेष उन्नति नहीं करेंगे तथा स्वास्थ्य भी उनका मध्यम रहेगा। इस वर्ष भाग्य बल की भी अल्पता रहेगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में आपको अत्यधिक परिश्रम से ही सफलता मिलेगी। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प तथा आशाएं भी अल्प मात्रा में फलीभूत होंगी तथा सुख संसाधनों में भी न्यूनता रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी साथ ही लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा अन्यत्र भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। इस समय शत्रु एवं विरोधियों की भी प्रबलता रहेगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता भी विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य से परेशानी रहेगी। साथ ही सामाजिक मान प्रतिष्ठा में भी न्यूनता रहेगी अतः समय की अशुभता को देखकर आपको सोच समझकर कार्य सम्पन्न करने चाहिए ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा साथ ही मानसिक चिन्ता तथा अशान्ति भी विद्यमान रहेगी। इस वर्ष में आपका व्यय अधिक होगा तथा अन्यत्र भी हानि की संभावनाएं रहेंगी तथा लाभ अल्प रहेगा फलतः आर्थिक स्थिति में शिथिलता आएगी जिससे आपको यदा कदा धनाभाव की अनुभूति होगी तथा उससे आपको समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। धर्म के प्रति भी इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा ही करेंगी।साथ ही सतमित्रों के सहयोग में भी अल्पता रहेगी । अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग के प्रति भी आपके मन में विशेष मधुरता या स्नेह का भाव नहीं रहेगा फलतः इनसे भी आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा तथा यदा कदा आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय उच्चाधिकारी तथा वरिष्ठ नेता आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः उन्नति के मार्ग अवरुद्ध होंगे।व्यापार आदि कार्यो में भी इस वर्ष उन्नति या लाभ नहीं मिलेगा तथा कार्य क्षेत्र में आपको न्यूनता का आभास रहेगा अतः ऐसे समय में किसी नए कार्य को प्रारंभ नहीं करना चाहिए तथा अपने साझेदार या सहयोगियों से भी सतर्क रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी परेशानी भी हो सकती है अतः ऐसे समय में आपको धैर्य तथा संयम रखकर समय व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होती रहेगी। मानसिक स्थिति भी आपकी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में चंचलता तथा उद्विग्नता का भाव विद्यमान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी परन्तु धार्मिक कार्य कलापों तथा वृतियों को सम्पन्न करने में आप अल्प रूचि का प्रदर्शन करेंगी। इस समय आपके महत्वपूर्ण शुभ कार्य अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे तथा इसके लिए आपको काफी संघर्ष एवं परिश्रम करना पड़ेगा।साथ ही सौभाग्य में वृद्धि भी अल्प रहेगी तथापि किसी महत्वपूर्ण कार्य की सिद्धि हो जाएगी जिससे आपको सन्तुष्टि प्राप्त होगी । भौतिक सुख संसाधन भी आप सामान्य रूप में अर्जित करेंगी परन्तु उनका उपभोग मध्यम रूप से ही कर सकेंगी। इसके साथ ही इस वर्ष में आप किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय कर सकती हैं।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष परिश्रम पूर्ण रहेगा तथापि आप किंचित उन्नति तथा सफलता अर्जित करेंगी तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी उन्नति की संभावनाएं रहेगी परन्तु इसमें विलम्ब या व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध सामान्य रहेंगे परन्तु इनसे इच्छित लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त हो सकेगा। जिससे शुभ कार्यो में सफलता की संभावना बढ़ेगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी संबध सामान्य रहेंगे तथा उनसे लाभ एवं सहयोग मध्यम रहेगा। अतः शान्ति एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा समय की उपेक्षा न करें।

प्रथम मास

12/09/2025 13:03:46 से 13/10/2025 02:53:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:28:34
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:35:14
चन्द्र		मेष	कृतिका	27:19:20
मंगल		कन्या	चित्रा	29:06:32
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:33:27
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:35:06
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	27:00:06
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	04:58:49
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:07:06
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:06
मुंथा		तुला	स्वाति	09:43:21

मासाधिपति

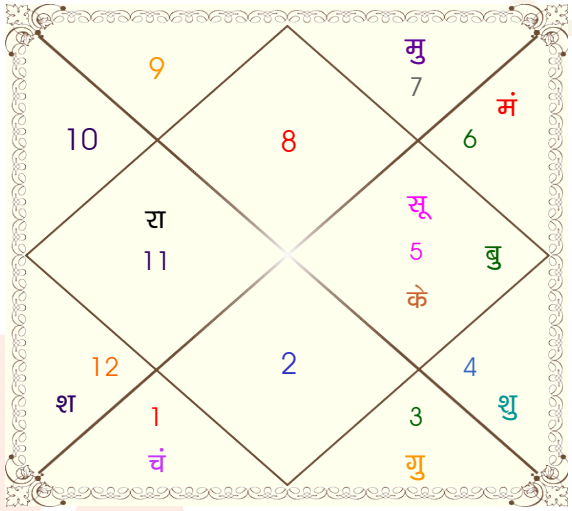

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा। इस समय आप व्यय अधिक मात्रा में करेंगी तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी आपको प्राप्त होगी। साथ ही सामान्य रूप से शारीरिक अस्वस्थता के कारण भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में अत्यंत परिश्रम तथा पराक्रम प्रदर्शित करने के बाद भी अल्पमात्रा में ही सफलता अर्जित कर सकेंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धाभाव नहीं रहेगा एवं अन्य प्रकार से भी आपको धन हानि की सम्भावना हो सकती है। इस समय मित्रों एवं सम्बन्धियों के साथ परस्पर सम्बन्धों में तनाव भी हो सकता है। साथ ही नौकरी या व्यापारादि कार्यों में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा शत्रुपक्ष से भी चिन्ता एवं भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी जिससे आप मानसिक रूप से बैचेन या असन्तुष्ट रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। अतः आप पति एवं पुत्र से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा नवीन वस्त्रों तथा आभूषण आदि से भी आप युक्त हो सकती हैं। अतः आपका यह मास सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास

13/10/2025 02:53:58 से 12/11/2025 04:25:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	09:24:35
सूर्य		कन्या	चित्रा	25:35:14
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	14:28:08
मंगल		तुला	स्वाति	19:48:55
बुध		तुला	स्वाति	14:52:15
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:31:17
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:32:46
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:40:50
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:41:44
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:41:44
मुंथा		तुला	स्वाति	12:13:21

मासाधिपति

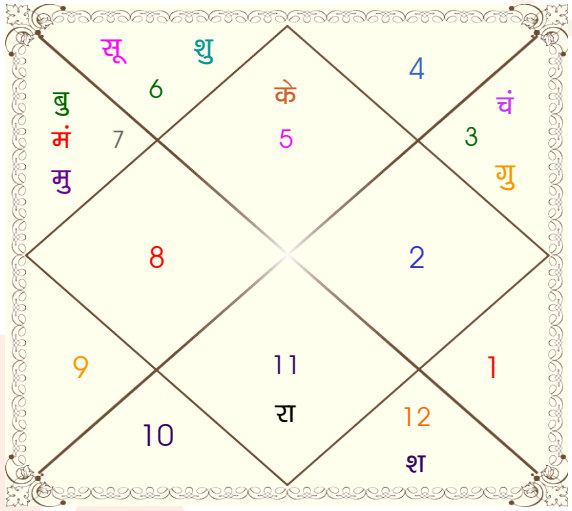

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप उत्तम फलों को प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा अपने पराक्रम एवं प्रभाव से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगी। इस समय समाज में आपके यश एवं सम्मान में आशातीत वृद्धि होगी जिससे आप मानसिक रूप से अत्यंत ही प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा एवं पूजन का भाव उत्पन्न होगा तथा अन्य जनों की भलाई के लिए भी कार्य करने के लिए तत्पर रहेंगी ।आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं उच्चाधिकारी वर्ग का आप आश्रय प्राप्त करेंगी एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाएंगी। समाज, मित्र तथा बन्धु वर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाइयों से भी आप अनकूल सहयोग एवं सहायता प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप समर्थ रहेंगी।

साथ ही इस मास में अन्यत्र भी शुभ फलों में वृद्धि होगी जिसके प्रभाव से आपके शरीर में स्वस्थता, मन में संतोष तथा बुद्धि में वृद्धि होगी। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ होगा एवं प्रसन्नतापूर्वक आप इसे व्यतीत करेंगी।

तृतीय मास
12/11/2025 04:25:26 से 11/12/2025 20:11:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	25:28:03
सूर्य		तुला	विशाखा	25:35:14
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	22:16:40
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	11:07:03
बुध	व	वृश्चिक	अनुराधा	12:16:57
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:56:00
शुक्र		तुला	स्वाति	12:03:34
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:10:16
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:55:08
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:55:08
मुंथा		तुला	स्वाति	14:43:21

मासाधिपति

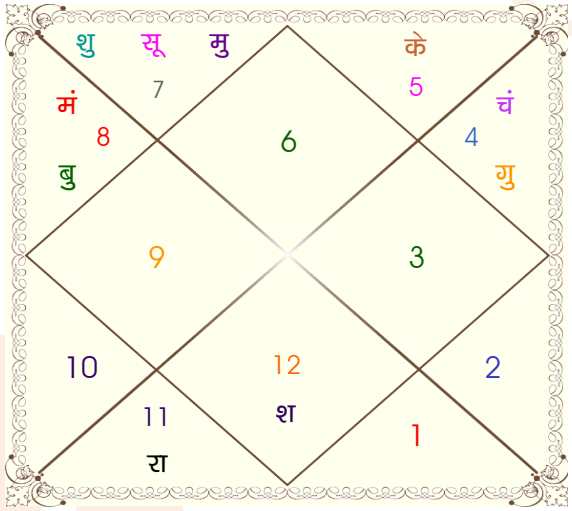

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप अपने उत्साह एवं परिश्रम द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगी तथा समाज से यश एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। बन्धु वर्ग एवं मित्रों से आपके सम्बन्धों में मधुरता रहेगी तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त करेंगी। सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा वे लोग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में प्रयोग करेंगी तथा शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ्य रहेंगी। आपके शत्रु इस समय आपसे कमजोर रहेंगे अतः उन्हें पराजित करने में आप सफल रहेंगी। पति से आप पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा व्यापारादि कार्यों में भी आप उचित लाभार्जन करके धन प्राप्त करेंगी। इस प्रकार यह मास आपके लिए शुभ लाभदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पुरुष वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन लाभ होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती हैं। इसक अतिरिक्त समाजिक जनों के मध्य भी आप माननीया समझी जाएंगी।

चतुर्थ मास
11/12/2025 20:11:24 से 10/01/2026 07:10:19 तक

ग्रह		राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	03:39:53
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:35:14
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:36:58
मंगल		धनु	मूल	02:59:35
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	05:22:23
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:28:46
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:19:30
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:05:57
राहु		कुम्भ	शतभिषा	18:51:10
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:51:10
मुंथा		तुला	स्वाति	17:13:21

मासाधिपति

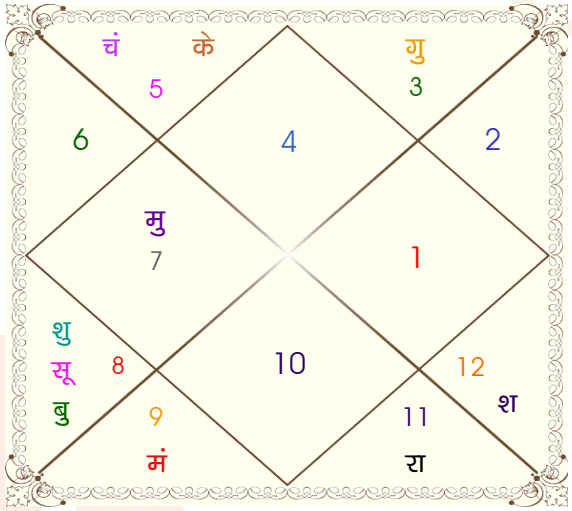

मासाधिपति : सूर्य

इस मास में आप शुभाशुभ फल प्राप्त करेंगी। इससे आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक दुर्बलता की भी आप अनुभूति करेंगी। साथ ही दुश्मनों से भी आप चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी जिससे मानसिक रूप से चिन्तित एवं अशान्त होंगी। इस समय पारिवारिक जनों से संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा परस्पर मन मुटाव अधिक मात्रा में रहेगा। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय मन्दी आएगी तथा स्थान परिवर्तन के योग भी बन सकते है। साथ ही किसी कारण वश आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से आपके मधुर संबध अल्प ही रहेंगे तथा विवाद अधिक मात्रा में सम्पन्न होंगे जिससे समाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग अथवा अन्य प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा अपनी तीव्र बुद्धि से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगी। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी धार्मिक कार्य क्रम का आयोजन भी आप इस मास में कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी शुभ फल प्राप्त हो सकते है।

पंचम् मास
10/01/2026 07:10:19 से 08/02/2026 19:29:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:15:56
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:35:14
चन्द्र		कन्या	हस्त	19:00:46
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:26:36
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:30:55
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	25:55:30
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:23:41
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:32:08
राहु		कुम्भ	शतभिषा	16:06:09
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:06:09
मुंथा		तुला	स्वाति	19:43:21

मासाधिपति

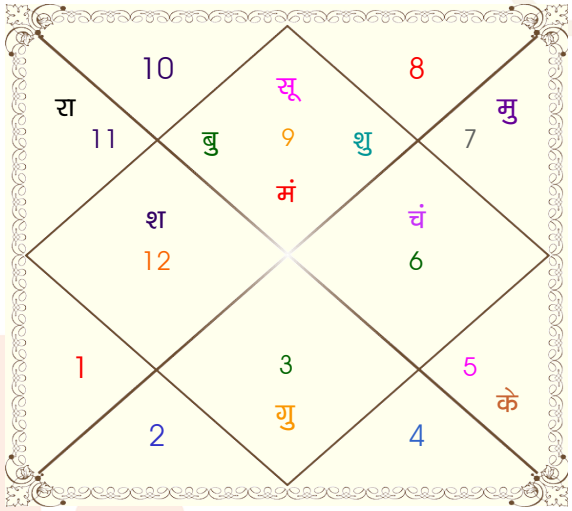

मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी। इस समय सौभाग्य से आप युक्त रहेंगी एवं पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगी। आपका स्वास्थ्य इस समय उत्तम रहेगा तथा मन में भी पूर्ण शान्ति रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आप रुचिशील रहेंगी तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगी। मित्रों तथा बन्धुजनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनके मध्य आप उचित सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी तथा उनका पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करेंगी। इस मास में आप वांछित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगी जिससे प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी अपूर्ण मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगी तथा उनसे आपको अपेक्षित सहयोग भी मिलता रहेगा। आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा उचित धन लाभ एवं सुखार्जन करने में आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का आयोजन भी कर सकती हैं।

षष्ठ मास

08/02/2026 19:29:10 से 10/03/2026 14:56:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:26:25
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	25:35:14
चन्द्र		तुला	स्वाति	15:13:37
मंगल		मकर	श्रवण	18:26:55
बुध		कुम्भ	शतभिषा	08:37:32
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:21:18
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	03:27:45
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	05:11:28
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:54:22
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:54:22
मुंथा		तुला	विशाखा	22:13:21

मासाधिपति

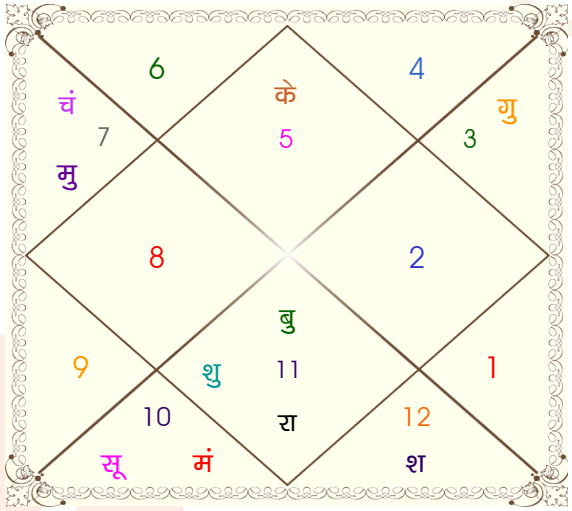

मासाधिपति : शुक्र

इस महीने में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगी तथापि न्यूनाधिक अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धन अर्जित करेंगी तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में समर्थ रहेंगी। साथ ही समाज में आपके यश एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस समय दूसरे लोगों की भलाई के कार्यो को करने में भी आप तत्पर रहेंगी परन्तु शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सफल बनाने में समर्थ रहेगी। आपके मित्रों तथा बन्धुजनों से इस समय मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप पूर्ण सहयोग तथा सुख भी अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे जिससे आप हृदय से प्रसन्न रहेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ आप यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त करेंगी।अतः आप गर्मी या पित्त दोष के द्वारा शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार से रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

सप्तम् मास
10/03/2026 14:56:13 से 09/04/2026 21:36:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	11:04:16
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:35:14
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	14:36:52
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	11:55:11
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	19:43:00
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:51:49
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	10:40:51
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	08:38:12
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:40:09
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:40:09
मुंथा		तुला	विशाखा	24:43:21

मासाधिपति

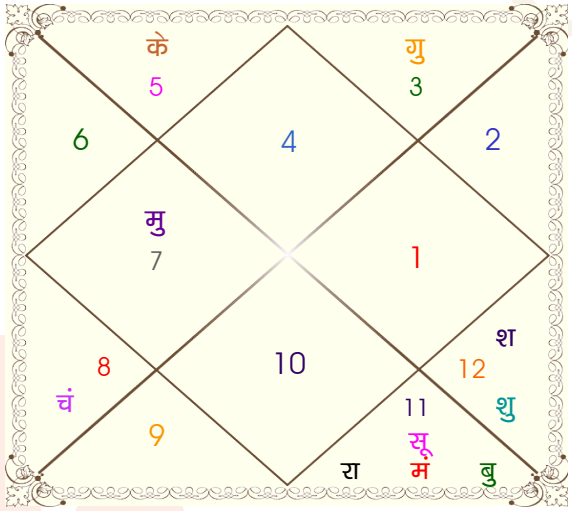

मासाधिपति : शुक्र

इस मास को आप सामान्यतया कष्ट से व्यतीत करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा अन्य ओर से भी कष्ट प्राप्त होंगे। इस मास में आपके शत्रु प्रबल रहेंगे। अतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी फलतः मानसिक रूप से आप परेशान तथा अशान्त रहेंगी। इस समय पारिवारिक जनों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा आपस में मन मुटाव रहेगा। आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में भी इस समय व्यवधान आएंगे तथा उन्नति मार्ग भी अवरूद्ध होगा। इस मास आपके स्थान परिवर्तन की भी संभावनाएं रहेंगी साथ ही कोई अस्थाई कार्य भी छूटेगा। सामाजिक जनों से आपका वैमनस्य का भाव अधिक रहेगा अतः सामाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग भी उत्पन्न होंगे तथा धन भी अनावश्यक रूप से अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप अशान्त एवं दुःखी रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप ठंड या वातोत्पन्न रोगों से अस्वस्थ रहेंगी। इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगी जिससे समाज में आपके सम्मान में कमी आएगी तथा बाद में आपको पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी कोई हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक एवं बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
09/04/2026 21:36:13 से 10/05/2026 16:42:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	03:28:54
सूर्य		मीन	रेवती	25:35:14
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:42:45
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	05:39:39
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:33:50
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	22:13:33
शुक्र		मेष	भरणी	18:04:07
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	12:23:40
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:50:06
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:50:06
मुंथा		तुला	विशाखा	27:13:21

मासाधिपति

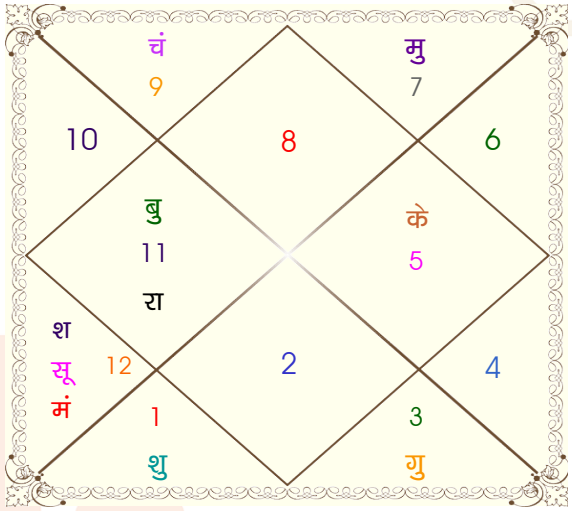

मासाधिपति : मंगल

इस महीने में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका व्यय अधिक होगा तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपका मेल जोल रहेगा जिससे आप कष्ट प्राप्त करेंगी ।साथ ही धनाभाव की समस्या भी उत्पन्न होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मानसिक रूप से भी आप बैचेन तथा अशान्त रहेंगी। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यधिक परिश्रम के उपरान्त भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि के योग बन सकते है। इस मास में आपके मित्र तथा बन्धुवर्ग से अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारंभ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। फलतः कष्ट पूर्वक आप इस मास को व्यतीत करेंगी।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। इस समय पुरूष वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करेंगी तथा आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी आप इस मास में कर सकेंगी।

नवम् मास
10/05/2026 16:42:31 से 10/06/2026 22:05:53 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	26:30:48
सूर्य		मेष	भरणी	25:35:14
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	02:21:50
मंगल		मीन	रेवती	29:22:10
बुध		मेष	भरणी	20:40:25
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	26:05:36
शुक्र		वृष	मृगशिरा	25:29:10
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:57:20
राहु		कुम्भ	शतभिषा	11:37:15
केतु		सिंह	मघा	11:37:15
मुंथा		तुला	विशाखा	29:43:21

मासाधिपति

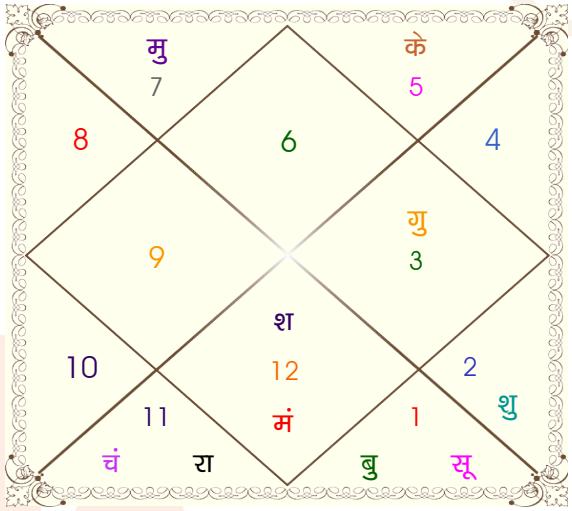

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अत्यधिक उत्साह के साथ धनार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज से भी आप को पूर्ण मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त होगी तथा यश भी दूर दूर तक फैलेगा। इस समय परिवार एवं मित्रजनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। साथ ही इनसे आप मान सम्मान भी अर्जित करेंगी। उच्चाधिकारी वर्ग से इस मास में आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य को भी सिद्ध करने में भी सफल रहेंगी। आपका स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस समय आप भोजन में मिष्ठान्न का अधिक उपयोग करेंगी। आपका शत्रुपक्ष इस मास में क्षीण रहेगा अतः उनको पराजित करने में आप समर्थ रहेंगी। पति से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा व्यापारिक कार्यो से अतिरिक्त आय एवं लाभ अर्जित करने में आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत या वातोत्पन रोगों से कष्ट प्राप्त कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आप न्यूनाधिक क्षति प्राप्त करेंगी। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

दशम् मास
10/06/2026 22:05:53 से 12/07/2026 08:39:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:25:26
सूर्य		वृष	मृगशिरा	25:35:14
चन्द्र		मीन	रेवती	24:01:34
मंगल		मेष	भरणी	22:40:17
बुध		मिथुन	आर्द्रा	19:19:03
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	01:43:14
शुक्र		कर्क	पुनर्वसु	02:33:15
शनि		मीन	रेवती	18:46:40
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:38:26
केतु	व	सिंह	मघा	08:38:26
मुंथा		वृश्चिक	विशाखा	02:13:21

मासाधिपति

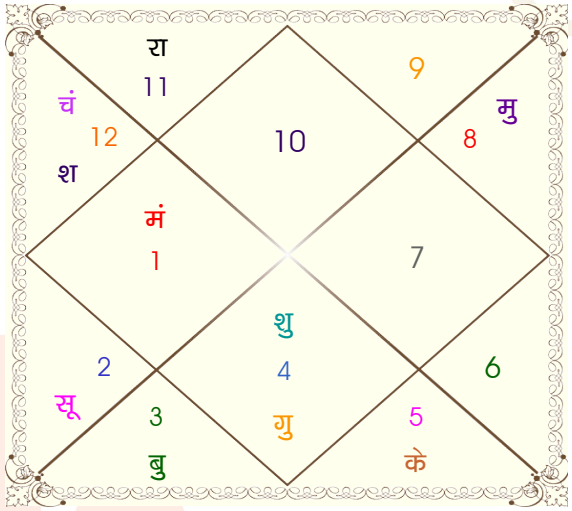

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में अर्जित करेंगी परन्तु अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय पति तथा पुरुष वर्ग से आप पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप मनोवांछित लाभ एवं सम्मान प्राप्त करेंगी। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा मन भी प्रसन्न एवं शान्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति भी आपके मन में इच्छा उत्पन्न होगी एवं इसमें आप सफलता प्राप्त कर सकती है। बन्धुजनों एवं मित्रों से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे इचिछत लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस मास में आप वांछित द्रव्य पदार्थ भी प्राप्त करेंगी एवं उनके उपभोग से प्रसन्न रहेंगी ।संतति पक्ष से भी आप निश्चिन्त रहेंगी तथा आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप गर्मी तथा पित द्वारा उत्पन्न दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा रुधिर विकार से भी पीड़ित हो सकती है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सतर्क रहें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

एकादश मास
12/07/2026 08:39:44 से 12/08/2026 17:45:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	04:52:27
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	25:35:14
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	23:26:41
मंगल		वृष	रोहिणी	15:10:45
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:04:15
गुरु		कर्क	पुष्य	08:20:41
शुक्र		सिंह	मघा	08:26:44
शनि		मीन	रेवती	20:20:10
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:16:28
केतु	व	सिंह	मघा	06:16:28
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	04:43:21

मासाधिपति

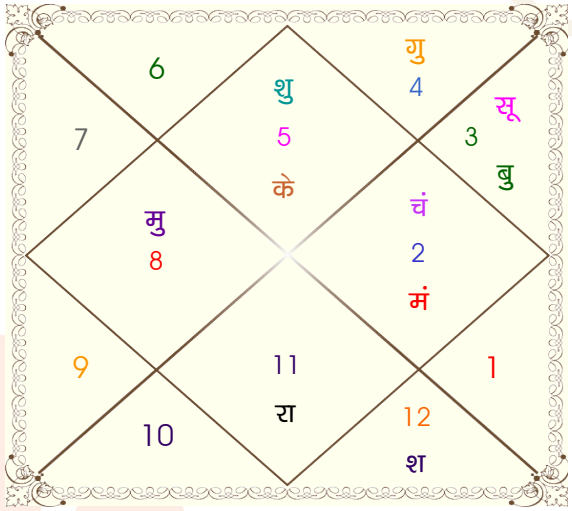

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त कर सकती हैं। साथ ही शत्रुपक्ष भी इस मास में बलवान रहेगा अतः इनसे भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इस मास में आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन होगा या कोई कार्य छूट भी सकता है। इसके साथ ही समाज में अन्य लोगों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे एवं आपस में विवाद तथा वैमनस्य का भाव रहेगा। इस समय आपकी धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता हैं। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को संपन्न करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ काथ अल्प मात्रा में शुभ फल भी होंगे। अतः आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपने बुद्धि चातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी एवं सुख की भी अनुभूति करेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप न्यूनाधिक सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

द्वादश मास
12/08/2026 17:45:20 से 12/09/2026 19:10:56 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:52:27
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	25:35:14
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	22:34:38
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	06:32:03
बुध		कर्क	पुष्य	10:29:07
गुरु		कर्क	पुष्य	15:16:13
शुक्र		कन्या	हस्त	11:26:35
शनि	व	मीन	रेवती	20:16:58
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:33:29
केतु	व	सिंह	मघा	05:33:29
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	07:13:21

मासाधिपति

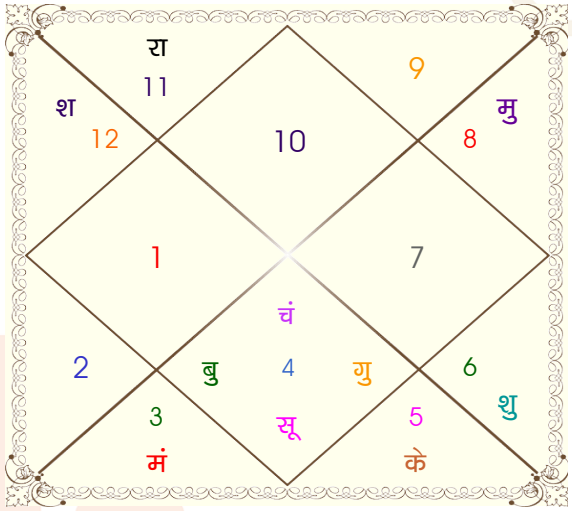

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप शुभ फल अधिक तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय पुरूष वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करेंगी तथा आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सम्पन्न हो जाएंगे। इससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप रूचि शील रहेंगी तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग का आपको सहयोग प्राप्त होगा तथा परस्पर संबध भी मधुर रहेंगे। इस समय आपको मनोच्छित पदार्थो की भी प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगी। संतति पक्ष से भी आप निश्चिंत रहेंगी तथा समाज में सम्मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके रूके हुए कार्य भी इसी मास में पूर्ण होंगे।

साथ ही इस समय शुभ फलों के मध्य अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत तथा वातोत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको किसी प्रकार क्षति हो सकती है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।